आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 65 | उज्जैन, शनिवार 25 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मंत्रि-परिषद ने दी 'देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन' के क्रियान्वयन को स्वीकृति

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में किया जायेगा विकसित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक शुक्रवार को लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर में हुई। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के 19 नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मदिरा को प्रतिबंधित किए जाने की स्वीकृति दी है। निर्णय अनुसार उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, मण्डलेश्वर, ओरछा, मैहर, चित्रकूट, दतिया, पन्ना, मण्डला, मुलताई, मंदसौर और अमरकंटक की सम्पूर्ण नगरीय सीमा में एवं सलकनपुर, कुण्डलपुर, बांदकपुर, बरमानकलां, बरमानखुर्द और लिंगा की ग्राम पंचायत सीमा में समस्त मदिरा दुकानों एवं बार को बंद किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के 19 नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों को पूर्णतः

पवित्र घोषित किया गया है।

देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन के क्रियान्वयन की स्वीकृतिप्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विकास में चार वर्गों यथा युवा, महिला, किसान और गरीब को आधार स्तम्भ के रूप में परिभाषित किया है। इसी अनुक्रम में देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन प्रारम्भ किया जाएगा। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में महिलाओं के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास के उद्देश्य से विमेन लीड डेवलपमेंट प्रयास को समन्वित रूप से लागू करने के लिए देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन के क्रियान्वयन का सैद्धांतिक अनुमोदन दिया है।

मिशन के प्रमुख उद्देश्यों में महिलाओं और बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आर्थिक विकास एवं सुरक्षा, महिलाओं एवं बालिकाओं तक विभिन्न सरकारी सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना, महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन व समाज में आर्थिक भागीदारी बढाने के लिए एकीकृत प्रयास करना, समाज में महिलाओं और बालिकाओं के प्रति सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन के लिए पुरुषों में संवेदनशीलता बढ़ाने वाली जागरूकता विकसित किया जाना शामिल है।

भारत दौरे पर पहुंचे इंडोनेशियाई राष्ट्रपति सुबियांतो, 76वें गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि हैं प्रबोवो

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो अपनी पहली भारत यात्रा पर गुरुवार रात नई दिल्ली पहुंचे। हवाई अड्डे पर विदेश राज्य मंत्री पावित्रा मार्गेरिटा ने उनका स्वागत किया। सुबियांतो 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आए हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का भारत की पहली राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचने पर हार्दिक स्वागत है।

उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगी। सुबियांतो की यात्रा के दौरान दोनों पक्षों द्वारा कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किये जाने की उम्मीद है। वह भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने वाले चौथे इंडोनेशियाई राष्ट्रपति होंगे।

इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो 1950 में भारत के पहले गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे। इंडोनेशिया का 352 सदस्यीय मार्चिंग और बैंड दल यहां कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेगा।

कर्ज से परेशान शख्स ने मॉल की दूसरी मंजिल से छलांग लगाकर दी जान, सुसाइड नोट में लिखी ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु शहर में 55 वर्षीय एक व्यक्ति ने एक मॉल की दूसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मृतक की पहचान शहर के उल्लाल उपनगर निवासी टी सी मंजूनाथ के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि यह घटना गुरुवार रात करीब नौ बजे मल्लेश्वरम स्थित मंत्री मॉल में हुई। मृतक की जेब से मिले नोट में कहा गया है कि उसकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। पुलिस के अनुसार, मंजूनाथ अचानक रेलिंग पर चढ़ गया और कथित तौर पर दूसरी मंजिल से कूद गया। सुरक्षा गार्डों ने उसे तुरंत पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, वह भारी कर्ज में डूबा हुआ था और अपनी इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान घाटे में होने के कारण कर्ज चुकाने में असमर्थ था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि ऐसा संदेह है कि इसी कारण उसने यह कदम उठाया।

कर्नाटक में हैरान करने वाला मामला, पत्नी ने तलाक की अर्जी वापस लेने से किया इनकार; पति ने उठाया खौफनाक कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, एक पति ने गुरुवार को बेंगलुरु के नगरभावी इलाके में अपनी पत्नी के घर के सामने खुद को आग लगा ली।

बता दें कि व्यक्ति की पत्नी ने तलाक की याचिका डाली थी जिसे लेकर दोनों के बीच में विवाद था। पति अपनी पत्नी को तलाक की याचिका वापस लेने के लिए कह रहा था लेकिन पत्नी ने उसकी बात नहीं मानी।

पुलिस ने बताया कि मृतक पति की पहचान कुनिगल कस्बे के रहने वाले 39 वर्षीय मंजूनाथ के रूप में हुई है। वह एक कैब का मालिक था। पुलिस के अनुसार, मंजूनाथ की शादी 2013 में हुई थी और वह शादी के बाद बेंगलुरु में एक फ्लैट में रहता था। दंपति का एक 9 साल का लड़का भी है। दोनों के बीच मतभेद होने के कारण मंजूनाथ दो साल से अलग रहने लगे थे और दोनों ने तलाक के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, मंजूनाथ अपनी पत्नी को कोर्ट से तलाक की अर्जी वापस लेने के लिए मनाने के लिए उसके घर आए थे। पुलिस ने बताया कि उसकी पत्नी ने इस प्रस्ताव को साफ तौर पर ठुकरा दिया था और उसके मुंह पर ही कह दिया था कि उसने उसके साथ बहुत उथल-पुथल झेली है।

जब वह नहीं मानी तो वह पेट्रोल की कैन लेकर उसके घर के गलियारे के सामने आया और खुद को आग लगा ली और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

1100 रुपये के लिए अपना जमीर मत बेचना, चुनाव से पहले केजरीवाल ने लोगों से की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने कहा, ÷दिल्ली में ये चुनाव अलग हैं। चुनाव से डेढ़ महीने पहले पैसे, जूते, बेडशीट, साड़ियां, राशन, सोने की चेन का खुला वितरण शुरू हो गया। किसी को कोई डर नहीं है। चुनाव आयोग या कोई इन्हें कोई नहीं रोक रहा है। ये सब पुलिस संरक्षण में हो रहा है। ये हमारे देश के लिए बहुत खतरनाक है। ये पैसे सरकार के खजाने से नहीं हो रहा है। ये चंद गालीबाज नेताओं द्वारा बांटा जा रहा है।

केजरीवाल ने कहा कि उन्हें बांटने के लिए कहां से मिला इतना पैसा? जो पैसा वोट खरीदने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है? यह उनके भ्रष्टाचार का पैसा है जो उन्होंने देश को लूटकर कमाया है। वे जो भी पैसे बांट रहे हैं, उसे रख लें लेकिन एक बात याद रखें, अपना वोट न बेचें। वे आपको 1100 रुपये दें तो उसे रख लें लेकिन अपना जमीर मत बेचना। आप किसी को भी चाह सकते हो, लेकिन उनको नहीं जो आपके वोट खरीदने की कोशिश कर रहे हैं। वे देश के दुश्मन हैं। ऐसे लोग देश के लोकतंत्र के लिए खतरा हैं और लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। केजरीवाल ने कहा, यह आपका पैसा है; पैसे ले लो। लेकिन अपना वोट 1100 रुपये या एक साड़ी के लिए मत बेचिए। आपका वोट बहुमूल्य है। केजरीवाल ने एक वीडियो संदेश में लोगों से काम की राजनीति को मौका देने का आग्रह किया।

बेलगावी में बड़ा हादसा, बाइक को बचाने के चक्कर में मजदूरों से भरा वाहन पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के बेलगावी में गुरुवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। 30 से ज्यादा मनरेगा मजदूरों को ले जा रही एक मालवाहक गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 25 से ज्यादा मजदूर घायल हो गए। ये हादसा स्टेट हाइवे पर हुक्केरी तालुक के होसुर गांव के बाहरी इलाके में हुआ। यमकनमारडी गांव के रहने वाले ये मजदूर मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) योजना के तहत अपने काम के लिए हिडकल बांध की ओर जा रहे थे।

दोस्ती तो बहाना भारत को बनाना है निशाना, आईएसआई की चालबाजी, बांग्लादेश संग मिल क्या कर रही प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई एक बार फिर भारत के खिलाफ अपनी नापाक चालों में जुट गई है। हाल ही में पाकिस्तान की सेना के प्रतिनिधिमंडल के साथ आईएसआई के एक बड़े अधिकारी ने बांग्लादेश के चटगांव में बैठक की। इस मीटिंग में पूर्वोत्तर भारत के उग्रवादी संगठन अल्फा (स्वतंत्र) के नेताओं के साथ बातचीत हुई। भारतीय खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यह बैठक असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में फिर से आतंकवाद और हिंसा भड़काने की योजना का हिस्सा है।

आनंद बाजार पत्रिका में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, पहले असम और पूर्वोत्तर के अन्य उग्रवादी गुटों को हथियार और ट्रेनिंग उपलब्ध करा रहा अल्फा संगठन फिर से सक्रिय हो सकता है। पहले इस संगठन की ट्रेनिंग बांग्लादेश के चटगांव क्षेत्र के दुर्गम इलाकों में होती थी। लेकिन 2009 में प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इन आतंकी ठिकानों को खत्म करने के लिए बड़े सैन्य अभियान चलाए थे। अब जब बांग्लादेश की सत्ता से शेख हसीना नदारद हैं तो अब खुफिया एजेंसियों को शक है कि आईएसआई बांग्लादेश में इन गतिविधियों को फिर से शुरू कराने की साजिश रच रहा है।

खबरों के मुताबिक, चीन के यूनान प्रांत में रहने वाला अल्फा का प्रमुख परेश बरुआ अब इस योजना में गुपचुप तरीके से शामिल है। आईएसआई और चीन की नजदीकियों से यह साफ है कि दोनों मिलकर भारत के चिकेन नेक क्षेत्र को निशाना बना सकते हैं। यह इलाका भारत को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ता है और सामरिक दृष्टि से बेहद अहम है।

इस्लामिक स्टेट ऑफ अराकान (एआरएसए) जैसे रोहिंग्या उग्रवादी संगठन भी इस साजिश का हिस्सा हो सकते हैं। आईएसआई ने चटगांव से कॉक्स बाजार तक अपने प्रतिनिधियों को भेजा, जहां रोहिंग्या जिहादी गतिविधियों को फिर से सक्रिय करने की संभावना जताई जा रही है। इसके साथ ही, भारत-बांग्लादेश सीमा पर खुफिया रास्तों के जरिए हथियार, जाली नोट और आतंकवाद के लिए धन पहुंचाने की साजिश रची जा रही है।

कभी थे मेयर, अब मिली अब मिली दुनिया की नंबर-1 खुफिया एजेंसी CIA की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जॉन रैटक्लिफ को सीआईए का डायरेक्टर नियुक्त किया है। सीनेट में इस संबंध में हुई वोटिंग में रेटक्लिफ के पक्ष में 74 वोट पड़े, जबकि 25 सीनेटर्स ने उनके खिलाफ वोट डाले। रेटक्लिफ अमेरिका के कई प्रमुख पदों पर रह चुके हैं।

ट्रंप के पिछले राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान वह नेशनल इंटेलिजेंस के चीफ थे। वह यूएस संसद का हिस्सा भी रह चुके हैं। रेटक्लिफ ट्रंप के सबसे करीबी लोगों में से एक हैं।

कौन हैं जॉन रैटक्लिफ - रैटक्लिफ लॉ स्कूल से ग्रेजुएट हैं। साल 2004 तक उन्होंने एक वकील के तौर पर प्राइवेट प्रैक्टिस की। इसके बाद वो अमेरिका के हीथ शहर से मेयर चुने गए। साल 2004 से लेकर 2012 तक वह हीथ शहर के मेयर रहे। साल 2007 से अप्रैल 2008 तक वो र्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ टेक्सास के लिए यूएस अटॉर्नी रहे।

साल 2014 में वो हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के लिए चुने गए। इसके बाद 28 जुलाई 2019 को तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें नेशनल इंटेलिजेंस चीफ बनाने की इच्छा जताई थी।

हालांकि, कुछ लोगों के विरोध की वजह से ट्रंप ऐसा नहीं कर सके। गौरतलब है कि 26 मई 2020 को आखिरकार उन्होंने नेशनल इंटेलिजेंस के डायरेक्टर के तौर पर शपथ ली।

फिर जब बाइडन की सरकार आई तो उन्हें इस पद से हटा दिया गया। अब ट्रंप ने उन्हें दुनिया की नंबर-1 खुफिया एजेंसी के डायरेक्टर बना दिया है।

रैटक्लिफ की तारीफ में ट्रंप ने क्या कहा- जॉन रैटक्लिफ को सीआईए डायरेक्टर बनाए जाने पर ट्रंप ने एक बयान में कहा, ÷क्लिंटन कैंपेन के फर्जी रूसी मिलीभगत को उजागर करने से लेकर स्न्ढ्ढस् कोर्ट में स्न्ढ्ढ द्वारा नागरिक स्वतंत्रता के दुरुपयोग को पकड़ने तक, जॉन रैटक्लिफ हमेशा अमेरिकी जनता के साथ सच्चाई और ईमानदारी के योद्धा रहे हैं। जब 51 खुफिया अधिकारी हंटर बाइडेन के लैपटॉप के बारे में झूठ बोल रहे थे, तो उनमें से एक जॉन रैटक्लिफ अमेरिकी लोगों को सच्चाई बता रहे थे।÷

ट्रंप ने आगे कहा, ÷मैं उम्मीद करता हूं कि जॉन हमारे देश के दोनों सबसे बड़े खुफिया पदों पर सर्विस करने वाले पहले शख्स होंगे। वह सभी अमेरिकी नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों के लिए एक निडर योद्धा होंगे, साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा के उच्चतम स्तर और शक्ति के जरिए शांति सुनिश्चित करेंगे।

उम्मीद जताई जा रही थी कि भारतीय मूल के पूर्व रिपबल्किन हाउस स्टाफर कश्यप पटेल (काश पटेल) को सीआईए प्रमुख का डायरेक्टर बनाया जा सकता है।

डांस क्लास में तीन छात्राओं की हत्या करने वाले युवक को मिली आजीवन कारावास की सजा, 52 साल बाद होगा पैरोल पर विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले साल यूनाइटेड किंगडम के साउथपोर्ट में एक शख्स ने तीन लड़कियों की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। मामले में अब दोषी को आजीवन कारावास की कारावास की सजा सुनाई गई है। हत्या को उस वक्त अंजाम दिया गया था, जब साउथपोर्ट में टेलर स्विफ्ट थीम पर आधारित डांस क्लास में ये छात्राएं मौजूद थीं।

दरअसल, समाचार एजेंसी एएनआई ने अल जजीरा की रिपोर्ट की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि गुरुवार को 18 वर्षीय एक्सल रुदाकुबाना को सजा सुनाई गई। इस दौरान जज ने कहा कि उसने निर्दोष, खुश बच्चों की सामूहिक हत्या करने का प्रयास किया था।

गुरुवार को कोर्ट ने सुनाया फैसला- बता दें कि एक्सल रुदाकुबाना ने पिछले साल जुलाई में उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के साउथपोर्ट में स्विफ्ट थीम वाले डांस क्लास में तीन स्कूली छात्राओं की हत्या करने का अपराध आरोपी ने स्वीकार किया है। कोर्ट ने सजा सुनाने के दौरान कहा कि पहले रुदाकुबाना को कम से कम 52 साल की सजा काटनी होगी। इसके बाद पैरोल पर विचार किया जा सकता है।

तीन लड़कियों की हत्या का आरोप - बता दे 17 वर्षीय रुदाकुबाना ने पिछले जुलाई में साउथपोर्ट में एक डांस क्लास में तीन छोटी लड़कियों बेबे किंग, (6), एल्सी डॉट स्टैनकॉम्ब, (7) और एलिस दा सिल्वा अगुइर (9) की हत्या कर दी थी। हत्याओं के अलावा, रुदाकुबाना ने आठ अन्य बच्चों और दो वयस्कों को घायल कर दिया।

बता दें कि अभियोजकों ने खुलासा किया कि रुदाकुबाना के पास अपने कार्यों के लिए कोई राजनीतिक या धार्मिक मकसद नहीं था, बल्कि वह हिंसा और नरसंहार से ग्रस्त था। उसने अपने अपराध को भी कबूल किया है।

पहले एलन मस्क माफी मांगे, तब मिलेगी स्टारलिंक को मंजूरी...

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान अब टेस्ला के मालिक एलन मस्क को आंख दिखने लगा है। हाल ही में एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने पाकिस्तान में अपनी सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने का आवेदन किया। मगर अब पाकिस्तान ने मस्क के सामने माफी मांगने की शर्त रख दी। कहा कि इसके बाद स्टारलिंक को मंजूरी दी जाएगी।

मस्क पर लगाया पाक विरोधी प्रचार का आरोप- ब्रिटेन के ग्रूमिंग गैंग पर दिए गए एलन मस्क के बयान को पाकिस्तान ने मुद्दा बनाया है। मस्क से माफी की मांग पाकिस्तान के कुछ सासंदों ने की है। पाकिस्तानी सांसदों ने एलन मस्क पर पाक विरोधी प्रचार करने का आरोप लगाया है।

आवेदन पर समिति ने मांगी जानकारी- स्टारलिंक ने पाकिस्तान में लाइसेंस का आवेदन किया है। अभी तक सरकार से मंजूरी नहीं मिली है। बुधवार को सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार पर संसद समिति ने स्टारलिंक के आवेदन का मूल्यांकन करने वाले अधिकारियों से ताजा जानकारी बैठक में हासिल की। संसद समिति के अध्यक्ष पलवाशा मोहम्मद जई खान ने कहा कि कई सांसदों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एलन मस्क की टिप्पणियों की निंदा की।

तो इस्तीफा देंगे मोहम्मद यूनुस? भारत से पंगा लेकर फंसे बांग्लादेशी PM, अपने ही देश में घिरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के सत्ता संभालने के बाद भी वहां के हालात में कोई अंतर आता नहीं दिख रहा है। पड़ोसी मुल्क में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार की घटनाएं अब बढ़ गई हैं। हिंदुओं के खिलाफ भी हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। इस बीच अब वहां यूनुस के खिलाफ ही आवाज उठने लगी है।

मोहम्मद यूनुस के खिलाफ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने मोर्चा खोला है। पार्टी के वरिष्ठ नेता ने यूनुस से इस्तीफा देने की मांग की है। उन्होंने उनकी निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए हैं।

यूनुस सरकार बार-बार भारत से पंगा ले रही है। इस बीच वहां के नेता ही उनसे खुश नहीं है। BNP के महासचिव फखरुल इस्लाम ने यूनुस सरकार की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार निष्पक्ष होकर कार्य नहीं कर रही, जिससे देश सही दिशा में नहीं जा रहा।

फखरुल ने आरोप लगाया कि कई मुद्दों पर यूनुस निष्पक्ष नहीं रहे हैं, जिससे देश में अस्थिरता बढ़ी। फखरुल इस्लाम ने कहा कि जिस तरह से सरकार काम कर रही है, उससे जल्द चुनाव कराने की आवश्यकता हो गई है।

ये तो बस शुरुआत है, ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही 538 अवैध प्रवासी गिरफ्तार; एक आतंकवादी को भी किया गया डिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन लगातार अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इसी बीच गुरुवार को अमेरिका में सैकड़ों अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार किया गया और उन्हें निर्वासित किया गया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों ने 538 अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार किया है और सैन्य विमान का उपयोग करके सैकड़ों को निर्वासित किया है।

एक संदिग्ध आतंकवादी भी गिरफ्तार- कैरोलिन लेविट ने कहा,ट्रम्प प्रशासन ने 538 अवैध अप्रवासी अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक संदिग्ध आतंकवादी, ट्रेन डी अरागुआ गिरोह के चार सदस्य और नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों के दोषी कई अवैध अपराधी शामिल हैं।

उन्होंने कहा, ट्रंप प्रशासन ने सैकड़ों अवैध अप्रवासी अपराधियों को सैन्य विमानों के जरिए निर्वासित भी किया। इतिहास का सबसे बड़ा निर्वासन अभियान अच्छी तरह से चल रहा है। वादे किए गए। वादे पूरे किए गए। व्हाइट हाउस ने आगे कहा कि हमारे देश की सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए सरकार द्वारा यह एक छोटी सी झलक है। फिर से बनाई जाएगी मैक्सिको पर दीवार - राष्ट्रपति बनने के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने कई अहम फैसले लिए। उन्होंने सबसे पहले बाइडन प्रशासन के 78 फैसले रद कर दिए। वहीं, यूएस-मेक्सिको सीमा पर राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया। इसके अलावा ट्रंप ने एलान कर दिया कि मैक्सिको सीमा पर फिर से दीवार बनाई जाएगी। रक्षा विभाग ने बुधवार को घोषणा की कि वह राष्ट्रपति ट्रंप के आव्रजन आदेशों को पूरा करने के लिए दक्षिणी सीमा पर अतिरिक्त 1,500 सैनिक भेजे जाएंगे।

मैं आपको साफ भाषा में समझा दूं कि..., ग्रीनलैंड पर दिए ट्रंप के बयान पर भड़के डेनमार्क सांसद; किया अपशब्दों का इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी तो इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण का जिक्र किया था। जिसके बाद से ही उनका बयान चर्चा का विषय बन गया है। बता दें कि अब डेनमार्क के एक सांसद ने डोनाल्ड ट्रंप के बयान का विरोध किया और ट्रंप को खूब खरी खोटी सुनाई है।

यूरोपीय संसद में दक्षिणपंथी डेनिश पीपुल्स पार्टी के सदस्य एंडर्स विस्टिसन ने कहा कि ग्रीनलैंड दशकों से डेनमार्क का हिस्सा है। डियर प्रेजिडेंट ट्रंप, ध्यान से सुनिए। ग्रीनलैंड 800 साल से डेनमार्क का हिस्सा रहा है। यह हमारे देश का अभिन्न अंग है। ये बिक्री के लिए नहीं है। मैं आपको सीधे शब्दों में समझा दूं। इसके बाद एंडर्स ने ट्रंप के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल भी किया। यूरोपीय संसद के उपाध्यक्ष निकोलाए स्टेफानुत ने इस तीखी टिप्पणी पर तुरंत प्रतिक्रिया दी और कहा कि सदन में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं है। स्टेफानुत ने कहा, लोकतंत्र के इस सदन में यह ठीक नहीं है।चाहे हम मिस्टर ट्रंप के बारे में कुछ भी सोचें, ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना संभव नहीं है। यह पूरी घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है और इसे विस्टिसेन ने एक्स पर पोस्ट किया है। नवंबर में ट्रंप की जीत के बाद से, उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों÷ के लिए द्वीप खरीदने में निरंतर रुचि दिखाई है। ट्रंप ने यह भी सवाल उठाया है कि क्या डेनमार्क, जिसने 1814 से ग्रीनलैंड पर नियंत्रण किया है।

ट्रंप के सत्ता में आते ही खलबली, धड़ाधड़ पार्ट टाइम नौकरी छोड़ रहे भारतीय छात्र; किस बात का सता रहा डर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में रह रहे भारतीय छात्र अपनी कमाई के लिए अपने कॉलेज के बाद पार्ट टाइम नौकरी भी करते हैं जिससे उनकी अतिरिक्त कमाई हो सके। लेकिन अब निर्वासन के डर से उन्होंने अपना काम छोड़ दिया है।

TOI से बात करते हुए इनमें से कुछ छात्रों ने कहा कि हालांकि ऐसी नौकरियां अमेरिका में बने रहने के लिए बहुत जरूरी हैं, लेकिन वे अपने भविष्य को जोखिम में नहीं डाल सकते, खासकर तब जब उन्होंने अमेरिकी कॉलेज में सीट पाने के लिए भारी-भरकम लोन लिया है।

20 घंटे ही मिली काम करने की अनुमति- अमेरिकी विनियमन एफ-1 वीजा पर अंतरराष्ट्रीय छात्रों को कैंपस में सप्ताह में 20 घंटे तक काम करने की अनुमति देता है। हालांकि, कई छात्र अक्सर किराए, किराने का सामान और अन्य खर्चों को पूरा करने के लिए रेस्तरां, गैस स्टेशनों या खुदरा दुकानों पर ऑफ-कैंपस और बिना दस्तावेज के काम करते हैं।

अब, जब नया प्रशासन आव्रजन नीतियों पर शिकंजा कसने और सख्त नियम लागू करने का संकेत दे रहा है, तो छात्र उन्हें छोड़ रहे हैं, अपने भविष्य को खतरे में डालने के लिए तैयार नहीं हैं।

इलिनोइस के एक विश्वविद्यालय में स्नातक छात्र अर्जुन ने कहा, मैं अपने मासिक खर्चों को पूरा करने के लिए कॉलेज के बाद एक छोटे से कैफे में काम करता था। मैं प्रति घंटे 7 डॉलर कमाता था और हर दिन छह घंटे काम करता था।

अमेरिका से अपने नागरिकों को भारत वापस लाएगा या नहीं, विदेश मंत्रालय ने दे दिया सीधा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद अमेरिका अवैध प्रवासियों पर सख्त है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लगभग 18 हजार भारतीय नागरिकों को वापस भेजा जा सकता है। इस बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी पूरे घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया दी। मंत्रालय ने कहा कि भारत अवैध आव्रजन के खिलाफ है, क्योंकि अवैध आव्रजन संगठित अपराध से जुड़ा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा अमेरिका समेत किसी भी जगह निर्धारित समय से अधिक और बिना उचित दस्तावेज के रहने वाले भारतीय नागरिकों को हम वापस लाएंगे। मगर शर्त यह है कि उनकी राष्ट्रीयता को सत्यापित करने वाले आवश्यक दस्तावेजों को हमारे साथ साझा किया जाए।

रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत-अमेरिका संबंध बहुत मजबूत और बहुआयामी हैं। दोनों देशों के आर्थिक संबंध बहुत खास हैं। हमने व्यापार से संबंधित किसी भी मामले पर चर्चा करने के लिए अमेरिका और भारत के बीच तंत्र स्थापित किए हैं। हमारा दृष्टिकोण हमेशा से मुद्दों को रचनात्मक तरीके से हल करने का रहा है, जो दोनों देशों के हितों को ध्यान में रखते हुए हो। हम अमेरिकी प्रशासन के साथ करीबी संपर्क में हैं।

फिल्म इमरजेंसी पर हंगामा करने वालों पर एक्शन ले यूके - यूनाइटेड किंगडम में कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी की स्क्रीनिंग के दौरान खालिस्तान समर्थक तत्वों ने हंगामा किया। इस पर विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया दी। कहा कि हमने रिपोर्ट देखी है कि किस तरह कई हॉल में प्रदर्शित हो रही फिल्म इमरजेंसी को बाधित किया जा रहा है। हम लगातार भारत विरोधी तत्वों द्वारा हिंसक विरोध और धमकी की घटनाओं के बारे में ब्रिटेन के समक्ष चिंता जताते रहे हैं।

पीवी नरसिंह राव नगा-कुकी संघर्ष के दौरान नहीं आए थे मणिपुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मौजूदा संकट को लेकर कांग्रेस द्वारा राज्य सरकार की आलोचना पर सवाल उठाया है। उन्होंने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव ने 1992-97 में नगा और कुकी के बीच जातीय संघर्ष के दौरान मणिपुर का दौरा क्यों नहीं किया था?

मुख्यमंत्री एन बीरेन ने कांग्रेस पर साधा निशाना- क्या प्रधानमंत्री 1993-97 में पैते और कुकी के बीच जातीय संघर्ष के दौरान यहां आए थे, जिसमें 300 से अधिक निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। मुख्यमंत्री सचिवालय में गुरुवार को प्रेस कांफ्रेस में उन्होंने विपक्ष की ईमानदारी पर सवाल उठाया और उन पर मणिपुर के हितों को प्राथमिकता देने में विफल रहने का आरोप लगाया है।

मुख्यमंत्री एन बीरेन ने कहा कि हम वर्तमान संघर्ष का ठोस समाधान चाहते हैं। यह महज एक राजनीतिक मुद्दा नहीं है। यह कांग्रेस द्वारा पैदा की गई एक पुरानी समस्या है। वे ही हैं जिन्होंने इन मुद्दों को जन्म दिया और अब वे हमें दोषी ठहरा रहे हैं। भगवान ही नहीं, यहां तक कि लोग भी उन्हें माफ नहीं करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस मणिपुर में अपने सांसदों को संसद में बोलने नहीं दे रही है।

वक्फ की जेपीसी की बैठक में हंगामा, अध्यक्ष जगदंबिका पाल का आरोप- TMC सांसद कल्याण बनर्जी ने मुझे गाली दी

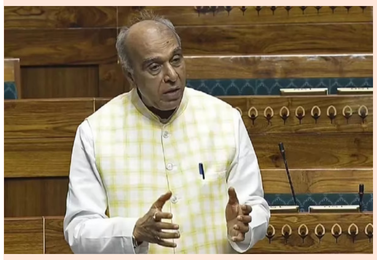

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक में हंगामा हुआ है। समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर बड़ा आरोप लगाया है।

पाल ने कहा कि बनर्जी ने उनके खिलाफ असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया और गाली दी। हंगामे के बाद भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने विपक्षी सांसदों को निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया।

इन सांसदों को किया गया निलंबित- शुक्रवार की बैठक से विपक्षी सांसद मोहम्मद जावेद, तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बनर्जी, डीएमके नेता ए राजा, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी व नासिर हुसैन, समाजवादी पार्टी नेता मोहिबुल्लाह नदवी, एम. अब्दुल्ला, शिवसेना (यूबीटी) नेता अरविंद सावंत, नदीमुल हक और कांग्रेस के इमरान मसूद को निलंबित किया गया है।

दो बार बैठक को स्थगित किया- जगदंबिका पाल ने एएनआई को बताया, हमने सदन को दो बार स्थगित किया। हमने विपक्ष के सुझाव पर ही मीरवाइज उमर फारूक को बोलने का समय दिया। मगर कल्याण बनर्जी ने मेरे खिलाफ असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल किया और मुझे गाली दी।

पाल ने आगे कहा, मैं उनसे आमंत्रितों को बोलने देने का अनुरोध करता रहा।

ऑफिस में महिलाओं के साथ अनचाहा व्यवहार भी यौन उत्पीड़न, मद्रास हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ अवांछित व्यवहार भी यौन उत्पीड़न की श्रेणी में आता है। कोर्ट ने कहा कि उत्पीड़नकर्ता की मंशा चाहे जो भी हो, यह कृत्य आपराधिक कृत्य है।

दरअसल, न्यायमूर्ति आर.एन. मंजुला ने इस बात पर जोर दिया कि पीओएसएच अधिनियम यौन उत्पीड़न के पीछे के इरादे की तुलना में उसके कृत्य को प्राथमिकता देता है।

मद्रास हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी- कोर्ट ने कहा कि कार्य स्थल पर अवांछित व्यवहार यौन उत्पीड़न है, चाहे उत्पीड़क का इरादा कुछ भी हो। यदि कोई बात अच्छी तरह से स्वीकार नहीं की जाती है तो यह अनुचित है और दूसरे लिंग, यानी महिलाओं को प्रभावित करने वाले अवांछित व्यवहार के रूप में महसूस की जाती है, तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह यौन उत्पीड़न की परिभाषा के अंतर्गत आएगा। कोर्ट ने अमेरिकी अदालत के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा। हाईकोर्ट ने कहा कि तर्कसंगतता का मानक एक ऐसा पैमाना है जिसे महिलाओं द्वारा तथा उनकी भावनाओं के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए, न कि इसके विपरीत होना चाहिए।

दूसरे को अवांछित महसूस कराना गलत- मद्रास हाईकोर्ट ने कहा कि यह मौलिक अनुशासन और समझ है जिसके साथ अलग-अलग लिंगों के कर्मचारियों से एक-दूसरे के साथ बातचीत करने की अपेक्षा की जाती है, जहां शालीनता ही मापदंड है और कुछ नहीं। कोर्ट ने कहा कि यह वह शालीनता नहीं है जो अपराधी अपने भीतर सोचता है, बल्कि यह है कि वह दूसरे लिंग को अपने कार्यों के बारे में कैसा महसूस कराता है।

जानिए क्या है मामला - दरअसल, पूरा मामला ऑफिस में यौन उत्पीड़न से जुड़ा हुआ है। जानकारी के अनुसार एचसीएल टेक्नॉलजीज की 3 महिला कर्मचारियों ने एक शिकायत दर्ज कराई थी कि उनका सीनियर उसके साथ अनचाहा व्यवहार करता है। इसके खिलाफ इन महिलाओं ने आईसीसी में शिकायत दर्ज कराई थी। महिलाओं ने अपने शिकायत में कहा था कि उनका सीनियर उनके पीछे बहुत सटकर खड़ा होता है।

केरल में बाघ के हमले से महिला की मौत, घटना के बाद लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन; सरकार के सामने रखी ये मांग

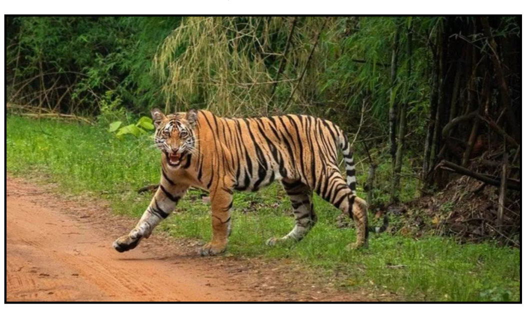

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के वायनाड जिले में एक महिला पर बाघ ने हमला कर दिया। इस हमले में महिला की जान चली गई। घटना शुक्रवार सुबह की है। मृतका की पहचान राधा के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार राधा (47) मनंतवाडी गांव के प्रियदर्शिनी एस्टेट में कॉफी बीन्स तोड़ रही थी। इसी दौरान बाघ ने महिला पर हमला कर दिया।

ये घटना ऐसे समय पर हुई है, जब एक दिन पहले ही केरल के वन मंत्री ए के ससीन्द्रन ने विधानसभा में दावा किया था कि राज्य में मानव-पशु संघर्ष में कमी आ रही है और सरकार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने तीव्र विरोध प्रदर्शन किया।

स्थानीय लोगों ने किया हंगामा

बताया जाता है कि घटना के बाद स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए नहीं ले जाने दिया। जब अधिकारियों ने यह सुनिश्चित कर दिया कि जल्द ही इलाके के लोगों की सुरक्षा की जाएगी और बाघ को मार दिया जाए या पकड़ लिया जाएगा।

मंत्री के सामने लोगों ने किया विरोध - स्थानीय लोगों ने केरल के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ओ आर केलू के सामने भी विरोध प्रदर्शन किया, वह इलाके का दौरा करने पहुंचे थे। हालांकि, मंत्री ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि इलाके के लोगों की मांग के अनुसार बाघ को मारने या पकड़ने का आदेश जारी किया गया है। इसके अलावा, सुबह-सुबह काम पर जाने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इलाके में रैपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) तैनात की जा रही है।

इलाके में बाड़ लगाने की तैयारी- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ओ आर केलू ने यह भी कहा कि इलाके के लिए एक बाड़ लगाने की परियोजना को मंजूरी दी गई थी।

बिहार में 3 दिन कोल्ड-डे की चेतावनी, पंजाब व हिमाचल में शीतलहर का अलर्ट; 11 राज्यों में पड़ेगा घना कोहरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में अचानक मौसम में गर्मी बढ़ी है। मगर अगले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में गिरावट आने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने 27 जनवरी तक 11 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है।

बिहार में लोगों को लगातार तीन दिनों तक भीषण ठंड का सामना करना होगा। यहां के कई इलाकों में 24 से 26 जनवरी तक कोल्ड-डे की स्थिति देखने को मिलेगी। आईएमडी ने पंजाब और हिमाचल प्रदेश में 24 और 25 जनवरी को शीतलहर की चेतावनी जारी की है।

अगले तीन दिन कैसा रहेगा मौसम- 24 जनवरी- आईएमडी ने पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, ओडिशा, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। वहीं पंजाब और हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग स्थानों में शीत लहर की भी चेतावनी दी गई है। बिहार में कोल्ड-डे की स्थिति देखने को मिल सकती है। अरुणाचल प्रदेश, पूर्वोत्तर असम और लक्षद्वीप में बारिश और बिजली गिरने की संभावना है।

25 जनवरी- हिमाचल प्रदेश और पंजाब के अलग-अलग इलाकों में शीतलहर का प्रकोप जारी रहेगा। वहीं बिहार में दूसरे दिन कोल्ड-डे की स्थिति देखने को मिलेगी। इसके अलावा पूर्वी उत्तर प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, ओडिशा, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में घना कोहरा देखने को मिलेगा।

26 जनवरी- बिहार में तीसरे दिन भी लोगों को कोल्ड डे जैसी स्थिति का सामना करना पड़ेगा। वहीं ओडिशा, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में घने कोहरे का अलर्ट है। आगे कैसा रहेगा मौसम?

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 माघ कृष्ण एकादशी

संपादकीय

एआई और डीपफेक के खतरे को लेकर भविष्य के लिए जो आशंकाएं जताई जा रही हैं....

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डीपफेक के खतरे को लेकर भविष्य के लिए जो आशंकाएं जताई जा रही हैं, उसका मनोवैज्ञानिक पक्ष अहम है। युग निर्माण के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में इसे देखें तो हम फोटोग्राफी, मूक और सवाक चलचित्र के बाद छवि भ्रम के एक ऐसे दौर में हैं, जिसने वास्तविक (एक्चुअल) और आभासी (वचुअल) के अंतर को तकरीबन पाट दिया है। फैक्ट चेक से जुड़े नए एप्लीकेशन और सर्च इंजन इस अंतर की शिनाख्त तो जरूर कर पा रहे हैं, पर वे भी इस पर विराम लगाने में असमर्थ हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ आज यह कह रहे हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एटम बम से भी खतरनाक है।

परिवर्तन और आशंका की इस भयावह स्थिति को समझने के लिए हमें 15 सल पीछे लौटना होगा। दरअसल हम बात कर रहे हैं अरब स्प्रिंग की। यह मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में 2010 से शुरू हुए विद्रोहों की एक श्रृंखला थी। इसे अरब जागृति या अरब विद्रोह भी कहा गया। इंटरनेट संवाद की ताकत से उभरे इस आंदोलन की शुरुआत ट्यूनीशिया में हुई थी। यह आंदोलन धीरे-धीरे लीबिया, मिस्त्र, लेबनान, मौरक्को जैसे देशों में फैल गया। इस अदिलन में लाखों लोगों ने शिरकत की और निरंकुश शासन को पलट दिया, पर बदलाव का यह आवेग परिवर्तन का कोई स्थायी चरित्र नहीं बन पाया। आज की तारीख में इस आंदोलन के कई विरोधाभासी नतीजे देखे जा रहे हैं। सरकारी निरंकुशता, कलह और अशांति से जुड़ी नई स्थितियों का सामना आज इन तमाम मुल्कों में लोग कर रहे हैं बदलाव की बड़ी आकांक्षा के ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम से अभी दुनिया कुछ सीखती, उससे पहले ही इंटरनेट की दुनिया नए चमत्कारों को लेकर समने आ गई। इसमें तकनीक और मनुष्य की चेतना के बीच का द्वंद्व प्रमुख है।

बीते वर्ष एक इंस्टाग्राम पोस्ट की पांच करोड़ से ज्यादा बार शेयर किया गया। एआइ से बनी उस तस्वीर में विस्थापित फलस्तीनी शिविरों को दिखाया गया था। इसमें बीच में नारा लिखा था- आल आइज आन रफा गौरतलब है कि 2024 के मई में दक्षिणी गाजा के रफा शहर में फलस्तीनी शिविरों पर इजरायली हमले हुए उस हमले में कम से कम 45 फलस्तीनी मारे गए थे। उस घटना के बाद यह तस्वीर देखते-देखते पूरी दुनिया में वायरल हो गई।

चिंता की एक बड़ी वजह यह भी है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बूते जी बात प्रतीकात्मक तस्वीर से शुरू हुई, वह देखते-देखते लोगों की निजता के दायरे तक पहुंच गई। भूले नहीं होंगे लोग भारत में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की डीपफेक तस्वीर के बाद शुरू हुई बहस और विवाद को इस तरह के मामले अब आए दिन सामने आ रहे हैं। कभी किसे क्रिकेट खिलाड़ी की शादी की फर्जी तस्वीर वायरल होती है, तो कभी किसी के रातोंरात मालामाल होने या लुटने-पिटने की इस तकनीकी हिमाकत ने लैंगिक दुराग्रह को सबसे ज्यादा बढ़ावा दिया है।

बहरहाल लैंगिक दुराग्रह की चिंता के साथ आकार लेने वाला कृत्रिम बुद्धिमत्ता का तकनीकी वितान आज खस विस्तार ले चुका है। यह तकनीक जिस तरह घर-परिवार और समाज में दाखिल हो रही है, उससे पूरी दुनिया में घबराहट है। इस घबराहट की सबसे बड़ी वजह मनोवैज्ञानिक है। दरअसल इंटरनेट मीडिया पर जो तस्वीरें हम देखते हैं उसका हमारे दुनिया को देखने के नजरिए पर व्यापक असर पड़ता है। कंप्यूटर और साफ्टवेयर की दुनिया में क्रांति का फ्रंटफेस पहले दिन से छवियों का रोमांच रहा है। यही वजह है कि बात करने की सहूलियत के लिए जो मोबाइल फोन हमारे हाथ आया, आज वह कैमरे से आगे के मुकाम पर है। देखते-देखते पूरी दुनिया छवियों का एक ऐसा अनंत उत्सव मनाने में जुट गई, जिसमें रीयल को रील में देखने का शगल हमारे रोजमर्रा में शामिल हो गया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

राष्ट्रीय मतदाता दिवस भारत में प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है। इस महत्त्वपूर्ण दिवस का आयोजन सभी भारतवासियों को अपने राष्ट्र के प्रति कर्तव्य की याद दिलाता है और साथ ही यह भी बताता है कि हर व्यक्ति के लिए मतदान करना ज़रूरी है।

शुरुआत

भारत निर्वाचन आयोग का गठन 25 जनवरी, 1950 को हुआ था। भारत सरकार ने राजनीतिक प्रक्रिया में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस 25 जनवरी को ही वर्ष 2011 से राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की थी।

साल 2011 में यूपीए-2 की सरकार थी। उस समय राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह थे। इस साल चुनाव आयोग की स्थापना को 61 साल हो चुके थे। तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने 25 जनवरी से राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में इस दिन को मनाने की शुरुआत की। 25 जनवरी, 2021 का दिन 11वीं बार राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया गया।

क्यों मनाया जाता है

इस दिन को मनाने के पीछे दो वजहें थीं। पहली समावेशी और दूसरी गुणात्मक भागीदारी। इसका मकसद था कि कोई भी मतदाता मतदान करने में पीछे न रह जाए। इसके पीछे एक और मकसद था। चुनाव आयोग इस दिन ऐसे मतदाताओं की पहचान करता है, जिनकी उम्र 18 साल हो चुकी हो। उन सभी के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाते हैं। 2021 में मतदाता दिवस की थीम सभी मतदाता सशक्त, सतर्क, सुरक्षित और जागरूक बनें थी।

25 जनवरी, 2015 को सरल पंजीकरण और सरल सुधार थीम के साथ पाँचवाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस था। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के पीछे निर्वाचन आयोग का उद्देश्य अधिक मतदाता, विशेष रूप से नए मतदाता बनाना है। इसके लिए इस अवसर को सार्वभौम वयस्क मतदान को पूर्ण वास्तविकता बनाना और इस प्रकार भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता को बढ़ाना है। यह दिवस मतदाताओं में मतदान प्रक्रिया में कारगर भागीदारी के बारे में जानकारी फैलाने के रूप में भी प्रयोग किया जाता है।

कौन दे सकता है वोट

भारत के संविधान के मुताबिक़, जो भारत का नागरिक है और जिसकी उम्र 18 साल या उससे ज्यादा है। बिना किसी भेदभाव या सिटीजनशिप एक्ट के तहत इन लोगों को वोटिंग अधिकार दिया जाता है। जिन एनआरआई के पास इंडियन पासपोर्ट होता है, उन्हें भी वोट देने का अधिकार होता है।

राष्ट्रीय मतदाता समारोह

पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने वर्ष 2012 में विज्ञान भवन में द्वितीय राष्ट्रीय मतदाता समारोह की अध्यक्षता की थी और दिल्ली के नए एवं पंजीकृत 20 मतदाताओं को सचित्र मतदाता पहचान पत्र प्रदान किये। ये मतदाता समाज के विभिन्न वर्गों से लिए गए थे और उन्हें एक बैज भी दिया गया था, जिस पर अंकित था मतदाता होने का गर्व - मतदान के लिए तैयार। इस अवसर पर उपसथित सभी लोगों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ भी दिलाई गई। डॉ. कलाम ने ज़िला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ), पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को सर्वोत्तम निर्वाचन प्रक्रिया अपनाने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों से और डीईओ/एसपी के अलावा अन्य अधिकारियों को सर्वोत्तम निर्वाचन प्रक्रिया अपनाने में असाधारण कार्य करने के लिए विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया।

युवा मतदाता

भारत में मतदान आधारित लोकतंत्र के लिए 25 जनवरी पहले से ही एक ऐतिहासिक अवसर है। मतदाताओं के पंजीकरण संबंधी खबरों के अनुसार देशभर में लगभग 3.83 करोड़ नए पंजीकरण किए गए। इनमें से 1.11 करोड़ मतदाता 18-19 वर्ष आयु समूह के हैं, जो 1 जनवरी, 2012 को बनाये गए। यह मतदाता योग्यता की तिथि है। पिछले वर्ष 52 लाख युवा मतदाता बनाए गए थे, जिन्होंने 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली थी। यह विश्व में किसी स्थान पर एक दिन में युवाओं के सबसे बड़े सशक्तीकरण को लक्षित करता है।

चुनाव आयोजन

गत 60 वर्षों के दौरान निर्वाचन आयोग ने लोक सभा के लिए 15 आम चुनाव और राज्यों की विधान सभाओं के लिए 331 आम चुनाव आयोजित किए हैं। आयोग की यात्रा के दौरान उसके कार्य की गुणवत्ता और स्तर में भी परिवर्तन सबको नजर आया है। 1962 में जहां मतदान की प्रक्रिया पर्ची डालने की प्रणाली थी, वहां 2004 से मतदान की इलैक्ट्रॉनिक मशीनों पर आधारित वर्तमान प्रणाली शुरू की गई। बहु-सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्रों का स्थान एकल सदस्यीय निर्वाचन ने ले लिया है। छपी हुई मतदाता सूचियों का स्थान अब कम्प्यूट्रीकृत फोटो-मतदाता सूचियों ने ले लिया है। मतदाताओं का सचित्र पहचान पत्र अब सभी नागरिकों को प्राप्त हो गया है। यह 2009 के आम चुनावों के समय 582 मिलियन से अधिक मतदाताओं को जारी किए गए थे।

मतदाताओं की पहचान तथा शपथ

अप्रैल-मई 2009 में कराए गए 15वीं लोक सभा के चुनाव विश्व में प्रबंधन की सबसे बड़ी घटना बताई गई है। इसमें 714 मिलियन मतदाता, 8 लाख 35 हज़ार मतदान केन्द्र, 12 लाख मतदान की इलेक्ट्रोनिक मशीनों और 11 मिलियन मतदान कर्मचारियों ने भाग लिया था। आयोग ने पाया कि मतदाता सूची से 18 साल के नये मतदाताओं का नाम लापता है। कुछ मामलों में उनकी भागीदारी 20 से 25 प्रतिशत तक कम है। इस समस्या से प्रभावकारी तरीके से निपटने के लिए आयोग ने फैसला किया कि देश के 8.5 लाख मतदान केन्द्रों में हर वर्ष 1 जनवरी को 18 वर्ष के होने वाले सभी मतदाताओं की पहचान की जाये। पंजीकरण के अलावा मतदाता सूची में शामिल किये गये इन मतदाताओं को निम्न शपथ दिलाई जाए-

हम भारत के नागरिक, लोकतंत्र में आस्था रखने वाले शपथ लेते हैं कि हम देश की स्वतंत्रत, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने की लोकतांत्रिक परम्परा को बरकरार रखेंगे। प्रत्येक चुनाव में धर्म, नस्ल, जाति, समुदाय, भाषा आधार पर प्रभावित हुए बिना निर्भीक होकर मतदान करेंगे।

चुनाव आयोग की भूमिका

भारतीय चुनाव आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 को हुई थी। ये संस्था संविधान के आर्टिकल 324 के अंतर्गत आती है। इसमें तीन सदस्य प्रमुख होते हैं, पहले मुख्य चुनाव आयुक्त और दो अन्य आयुक्त शामिल होते हैं। इन्हें राष्ट्रपति की तरफ से नियुक्त किया जाता है। सभी का कार्यकाल 6 साल का होता है। ये एक संवैधानिक संस्था है। देश में होने वाले सभी चुनावों को आयोजित करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की होती है। इसमें लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा, विधान परिषद, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव शामिल हैं। चुनाव के दौरान चुनाव आयोग एक गार्जियन की भूमिका में होता है। यही चुनाव के सभी दिशा- निर्देश तय करता है। जो उम्मीदवार और सभी राजनीतिक दल पर लागू होते हैं। अगर चुनाव के दौरान इन दिशा-निर्देशों का उल्लंघन होता है, तो चुनाव आयोग में इसकी शिकायत की जा सकती है। ये संस्था चुनाव से जुड़े सभी तरह के फैसले खुद लेती है। चुनाव के खर्चों पर नजर रखने के लिए इंडियन रेवेन्यू सर्विस (आईआरएस) के अफसर इलेक्शन ऑब्जर्वर के रूप में होते हैं।

कितने मतदाता

संविधान के मुताबिक़ 10 लाख की आबादी पर एक लोकसभा सांसद होना चाहिए। लेकिन भारत में ये आबादी 25 लाख है। राज्यों में आबादी के हिसाब से संख्या को बढ़ाने और घटाने की बात कही गई है। 1971 में देश और दूसरे राज्यों की सीटों पर संख्या बढ़ती-घटती रही है। इस हिसाब से 30 लाख लोगों पर एक सांसद और तमिलनाडु में करीब 20 लाख लोगों पर एक सांसद है। अगर 10 लाख की आबादी पर एक लोकसभा सीट को बांटा जाए तो भारत में इसकी संख्या बढ़कर 1375 सीटें हो जाएंगी। अकेले उत्तर प्रदेश में ये सीट का आंकड़ा 80 से बढ़कर 238 हो जाएगा। संविधान के मुताबिक़, जिन राज्यों में आबादी 6 लाख या उससे कम है, तो 10 साल वाला कॉन्सेप्ट वहां लागू नहीं होगा। ऐसे में इस तरह के राज्यों में एक सांसद तो रहेगा।

8वां वेतन आयोग लागू होने पर कितनी मिलेगी पेंशन, क्या जीरो हो जाएगा महंगाई भत्ता?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले दिनों केंद्र सरकार ने आठवें वेतन आयोग पर मुहर लगाई है। हालांकि, केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को इसका लाभ 1 जनवरी 2026 यानी अगले साल से मिलेगा। 8वां वेतन आयोग लागू होने से केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी में बड़ा इजाफा होगा। साथ ही, पेंशनधारकों की पेंशन में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। कुछ पेंशनभोगियों को 8वां वेतन आयोग लागू होने के बाद 3.5 लाख रुपये महीना पेंशन मिल सकती है। 8वें वेतन आयोग का लाभ 1 करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को मिलेगा।

किस मिलेगी 3.5 लाख मासिक पेंशन? 7वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 था। इसमें रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए न्यूनतम पेंशन 9,000 रुपये महीना तय की गई थी। वहीं, अधिकतम पेंशन 1,25,000 रुपये मासिक थी। 8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाकर 2.86 करने की बात कही जा रही है। अगर यही फिटमेंट फैक्टर लागू होता है, तो न्यूनतम पेंशन बढ़कर 25,740 रुपये महीना हो जाएगी। इसका मतलब है कि पेंशन में 186 फीसदी का भारी इजाफा होगा। इससे बड़े पदों और रैंक से रिटायर कर्मचारियों की अधिकतम पेंशन 3,57,500 रुपये महीना तक पहुंच सकती है।

महंगाई भत्ता को जाएगा जीरो- सरकारी कर्मचारियों को मुद्रास्फीति का मुकाबला करने के लिए सरकार महंगाई राहत देती है। यह फिलहाल बेसिक सैलरी और पेंशन का 53 फीसदी है। यह दर कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के आधार पर सालाना दो बार रिवाइज्ड की जाती है, 1 जनवरी और 1 जुलाई को। अगर आप महंगाई राहत को उदाहरण से समझना चाहते हैं, तो यह काफी आसान है। मिसाल के लिए, किसी पेंशनभोगी की बेसिक पेंशन 10,000 रुपये है, तो डीआर जोड़ने के बाद 15,300 रुपये हो जाएगी। 8वां वेतन आयोग लागू होने के बाद रिवाइज्ड सैलरी और पेंशन मिलने लगेगी, तो क्या महंगाई भत्ता 53 फीसदी से ही आगे बढ़ेगा या फिर इसे शून्य कर दिया जाएगा? यह काफी अहम सवाल है, जिसका जवाब लोग जानना चाहते हैं।

बजट के बाद होगी नौकरियों की बारिश, खास इंतजाम करने वाली है सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। चालू वित्त वर्ष में विकास दर की धीमी गति के अनुमान को देखते हुए सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती खपत को बढ़ाना है।

इस खपत को बढ़ाने के लिए रोजगार को बढ़ाना होगा और इसे ध्यान में रखते हुए ही सरकार छह सेक्टर के निर्यात को बढ़ाकर रोजगार वृद्धि का प्रयास कर सकती है। आगामी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक फरवरी को पेश होने वाले बजट में इन छह सेक्टर के प्रोत्साहन के लिए सरकार घोषणाएं भी कर सकती है। ये सभी सेक्टर रोजगारपरक है जिनमें कृषि व उससे संबंधित उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल्स व प्लास्टिक, लेदर व अपैरल शामिल हैं। चालू वित्त वर्ष में सरकार ने विकास दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है जबकि चार वित्त वर्षों में सबसे कम है। अमेरिका की तरफ से आगामी एक फरवरी से चीन की वस्तुओं पर 10 प्रतिशत का आयात शुल्क लगाने के बाद इन सभी छह सेक्टर का निर्यात अमेरिका के बाजार में भी बढ़ सकता है और सरकार इस मौके को भुनाने की पूरी कोशिश करेगी। वित्त वर्ष 2013-14 में भारतीय वस्तुओं का निर्यात 312 अरब डॉलर का था जो वित्त वर्ष 2022-23 में 450 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि वैश्विक सुस्ती की वजह से वित्त वर्ष 2023-24 में वस्तु निर्यात 437 अरब डॉलर का रहा।

आर्थिक मंदी और कोविड से ज्यादा वैश्विक नुकसान कर सकती है गुटबाजी, भारत पर भी होगा इसका असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में भौगोलिक और आर्थिक गुटबाजी से इतना बड़ा नुकसान हो सकता है, जितना 2008 में आई आर्थिक मंदी और फिर 2020 की कोविड-19 महामारी ने नहीं पहुंचाया होगा। व?र्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की गुरुवार को जारी ताजा रिपोर्ट बताती है कि इस गुटबाजी से वैश्विक जीडीपी को 49.25 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

भारत समेत अन्य उभरती अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा बोझ- इतना ही नहीं रिपोर्ट में इस बात की भी चेतावनी दी गई है कि अगर यह गुटबाजी चरम पर पहुंच गई तो भारत समेत अन्य उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों पर इसका सबसे ज्यादा बोझ पड़ सकता है। 2025 की वार्षिक बैठक में यह रिपोर्ट जारी करते हुए फोरम ने कहा कि देशों द्वारा प्रतिबंधों, औद्योगिक नीतियों और अन्य आर्थिक उपायों के जरिये भू-राजनीतिक उद्देश्यों बेहतर करने के लिए वैश्विक वित्तीय और व्यापारिक प्रणालियों का इस्तेमाल तेजी से किया जा रहा है।

नेविगेटिंग ग्लोबल फाइनेंसियल सिस्टम फ्रैग्मेंटेशन नामक इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि देशों की नीतियों के परिणामस्वरूप होने वाली गुटबाजी से वैश्विक अर्थव्यवस्था को 5.18 लाख करोड़ से लेकर 49.25 लाख करोड़ का नुकसान उठाना पड़ सकता है, जो कि वैश्विक जीडीपी का पांच प्रतिशत तक हो सकता है।

मुद्रास्फीति में पांच प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है- इसकी वजह व्यापार और सीमा पार पूंजी प्रवाह में कमी के साथ-साथ खोती आर्थिक दक्षता है। इससे वैश्विक मुद्रास्फीति में पांच प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है। यह चोट 2008 की आर्थिक मंदी और कोविड-19 से हुए नुकसान से ज्यादा बड़ी और खतरनाक हो सकती है।

रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2017 से प्रतिबंधों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है और इसमें 370 प्रतिशत वृद्धि देखने को मिली है।

महंगाई से राहत! अमूल ने घटाया दूध का दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले काफी समय से दूध के दाम बढ़ रहे थे, लेकिन अब उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है। देश के सबसे मिल्क ब्रांड अमूल ने दूध के दाम घटा दिए हैं। अमूल ने तीन दुग्ध उत्पादों की कीमत में 1 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। इसके मुताबिक, अमूल गोल्ड, ताजा और टी स्पेशल के दाम कम हुए हैं। यह कटौती आज यानी 24 जनवरी से लागू हो गई है।

गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर Jayen Mehta ने बताया कि अमूल ने अमूल गोल्ड, अमूल ताजा और अमूल टी स्पेशल 1 किलो पैक में दूध की कीमत 1 रुपये कम कर दी है। अमूल ब्रांड का मालिकानाहक गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के पास ही है।

कितना घटा है तीनों पाउच का दाम- अमूल गोल्ड का एक लीटर का पाउच पहले 66 रुपये का आता था। अब यह 65 रुपये में मिलेगी। इसी तरह अमूल टी स्पेशल दूध और अमूल ताजा दूध के दाम में भी 1-1 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। अमूल टी स्पेशल दूध अब 62 के बजाय 61 रुपये का मिलेगा। वहीं, अमूल ताजा दूध का रेट 54 रुपये प्रति लीटर था, जिसे एक रुपये घटाकर 53 रुपये कर दिया गया है।

अमूल ने जून 2024 में बढ़ाया था रेट- अमूल डेयरी ने पिछले साल जून में दूध का दाम बढ़ाया था। उसने प्रति लीटर के हिसाब से रेट में दो रुपये का इजाफा किया था।

क्या होती है हलवा सेरेमनी, बजट से जुड़े अधिकारियों पर क्यों बिठाया जाता है पहरा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ष 2025-26 के लिए पेश होने वाले बजट में एक हफ्ता बचा है। बजट से जुड़ी सारी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार (24 जनवरी) को हलवा समारोह होगी। यह साल बजट से पहले वाली अहम रस्म है। इसमें बजट दस्तावेज तैयार करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों को हलवा परोसा जाता है। इसी के साथ बजट की तैयारियों में जुटे ऑफिशियल्स के लिए लॉक-इन पीरियड शुरू हो जाता है।

क्या होता है लॉक-इन पीरियड- हलवा समारोह का मतलब है कि बजट तैयार होकर छपने लगा है। इस खुशी में हलवा समारोह होता है। इस बार यह शुक्रवार (24 जनवरी) शाम 5 बजे नॉर्थ ब्लॉक में होगा। इस रस्म को पूरा करने के बाद बजट का मसौदा तैयार करने वाले सभी अधिकारी लॉक-इन पीरियड में चले जाते हैं। इस दौरान उन्हें नॉर्थ ब्लॉक परिसर के भीतर रहना होता है। उन्हें किसी भी मिलने-जुलने की इजाजत नहीं होती। इसका मकसद होता है कि बजट से जुड़ी कोई जानकारी लीक न हो।

हलवा समारोह के बाद क्या होता है- हलवा समारोह होने के बाद बजट के लिए प्रधानमंत्री से ली जाती है और उससे जुड़े दस्तावेज छपने के लिए भेजे जाते हैं। सुरक्षा के लिहाज से इंटेलिजेंस ब्यूरो वित्त मंत्रालय के तहखाने में प्रिंटिंग प्रेस का औचक निरीक्षण करता है। साल 1950 तक बजट दस्तावेज की छपाई राष्ट्रपति भवन में होती थी। लेकिन, उस साल बजट लीक हो गया। इसके बाद इसे मिंटो रोड और फिर बाद में नॉर्थ ब्लॉक के बेसमेंट में ट्रांसफर कर दिया गया।

सेरेमनी में कौन-कौन शामिल होगा- शुक्रवार शाम होने वाली हलवा सेरेमनी की अगुआई वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी। उनके साथ वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और बजट तैयार करने शामिल अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान नॉर्थ ब्लॉक में एक बड़ी कड़ाही में हलवा तैयार किया जाएगा। वित्त मंत्री भी हलवा बनाने में मदद करेंगी। हलवा समारोह के बाद बजट बनाने वाले अधिक लॉक इन पीरियड में जाएंगे। उनका लॉक इन पीरियड संसद में वित्त मंत्री का बजट भाषण खत्म होने के साथ ही समाप्त होगा।

मार्च से बदलेगा तेल का खेल, रूस से कम और अमेरिका से ज्यादा Oil खरीदेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पेट्रोलियम सेक्टर के लिए पूरा परिदृश्य बदलने वाला है। मार्च, 2022 से रूस से काफी ज्यादा कच्चे तेल की खरीद कर रही भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों के लिए अब ऐसा करना आसान नहीं होगा। लेकिन भारतीय कंपनियों की तरफ से अमेरिका से तेल खरीद बढ़ाये जाने की पूरी संभावना है।

वजह यह है कि अमेरिकी प्रतिबंध की वजह से रूस से तेल खरीदना भारतीय कंपनियों के लिए अब और ज्यादा मुश्किल होने जा रहा है। सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) ने कहा है कि मार्च, 2025 से वह रूस से तेल खरीदना कम करने जा रही है।

अमेरिकी तेल कंपनियों के लिए भारत ही सबसे बड़ा बाजार- दूसरी तरफ, ज्यादा तेल उत्पादन करने वाली अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत ही सबसे बड़ा बाजार होगा। जानकार मान रहे हैं कि चीन के साथ मौजूदा तनावपूर्ण रिश्तों को देखते हुए अमेरिकी कच्चे तेल की वहां पर बिक्री बहुत बढ़ने की संभावना नहीं है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

आमजन को बिना किसी परेशानी के समय पर मिले लाभ - श्री सुलेमान

भोपाल। जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन गुणवत्ता पूर्वक किया जाये जिससे कि आमजन को बिना किसी परेशानी के समय से शासकीय योजनाओं का लाभ मिल पाये और उनके कार्य आसान हों। विभिन्न शासकीय योजनाओं में विभागों को दिए गए लक्ष्यों को समय सीमा में पूर्ण किया जाये। अधिकारी जनप्रतिनिधियों से शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के संबंध में सतत समन्वय रखें और उनके माध्यम से प्राप्त जनता के आवेदनों का त्वरित एवं समाधानपूर्ण् निराकरण किया जाये ।

अपर मुख्य सचिव एवं भोपाल संभाग के प्रभारी श्री मोहम्मद सुलेमान ने आज संभागायुक्त कार्यालय भोपाल के सभाकक्ष में सम्पन्न संभागीय समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। बैठक में विधायक श्री विष्णु खत्री, श्री प्रभुराम चौधरी, श्री हजारीलाल दांगी, श्री गोपाल सिंह इंजीनियर, श्री हरि सिंह सप्रे, श्री सूर्यप्रकाश मीणा, महापौर श्रीमती मालती राय, जिला पंचायत अध्यक्ष रायसेन श्री यशवंत मीणा,आयुक्त भोपाल संभाग श्री संजीव सिंह, संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, सभी संभागीय अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अपर मुख्य सचिव श्री सुलेमान ने निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों द्वारा क्षेत्र के विकास के लिए की गई मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाये। नगर निगम भोपाल जल स्त्रोतों में निजी भागीदारी से पर्यटन गतिविधि संचालित करने की संभावना पर विचार करे। विदिशा में कृषि उपज मंडी शिफ्टिंग एवं आमदपुर स्टेट हाईवे मार्ग उन्नयन, खिलचीपुर में उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण, रायसेन में पशु चिकित्सा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, सांस्कृतिक सभागार निर्माण एवं रोप वे निर्माण आदि के संबंध में कार्यवाही की जाए। संभाग के सभी जिलों में गत 11 दिसम्बर से 26 जनवरी तक चलाए जा रहे मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान की जिलेवार समीक्षा की गई। जनकल्याण अभियान, ग्रामीण के अंतर्गत अभी तक 2301 शिविर लगाए गए हैं जिनमें प्राप्त 2 लाख 63 हजार 26 आवेदनों में से 2 लाख 43 हजार 724 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। इसी प्रकार जन कल्याण अभियान, शहरी के अंतर्गत अभी तक संभाग में 724 शिविर लगाए गए हैं जिनमें प्राप्त 2 लाख 68 हजार 967 आवेदनों में से 2 लाख 63 हजार 614 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। शेष आवेदनों का समयावधि में निराकरण के निर्देश दिए गए।

संभाग में राजस्व अभियान 3.0 की समीक्षा में बताया गया कि अभियान के अंतर्गत नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती, पारंपरिक रास्तों का चिन्हांकन के कार्य में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई है। राजस्व अभियान 3.0 की प्रदेश रैकिंग में संभाग का विदिशा जिला दूसरे स्थान पर, सीहोर चौथे, रायसेन छठवें, राजगढ़ 19वें एवं भोपाल 31वें स्थान पर रहा है। जनता को खसरा एवं खतौनी की नकल एवं जन्म – मृत्यु एवं विवाह प्रमाण पत्र नियम समयावधि में प्राप्त हो जाऐं यह प्रयास किये जायें। प्रधानमंत्री जनमन हितग्राहीमूलक योजनाओं की संभाग में अच्छी प्रगति पर अपर मुख्य सचिव ने सभी संबंधितों की सराहना की। इस योजना के अंतर्गत आधार कार्ड, समग्र आईडी, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, राशनकार्ड/पात्रता पर्ची, उज्ज्वला योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, जनधन खाते, किसान सम्मान निधि और स्व-सहायता समूह योजनाएं सम्मिलित हैं। प्रभारी मुख्य सचिव ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष् अभियान के संबंध में कार्यवाही के निर्देश दिए।

बालिकाएं अपनी शक्ति को पहचानें और आगे बढ़ें– कलेक्टर श्रीमती चौहान

ग्वालियर। बालिकाएं अपनी शक्ति को पहचानें और सकारात्मक रहकर लक्ष्य हासिल करने के प्रयास करें। समय और संसाधनों का सदुपयोग करें। साथ ही अपने भीतर सीखने की ललक रखें और जहां भी सीखने का अवसर मिले वहां से कुछ जरूर हासिल करें। ऐसा करने पर सफलता अवश्य मिलेगी। यह बात कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत आयोजित हुए कार्यक्रम में मौजूद बालिकाओं का आव्हान करते हुए कही। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव के मुख्य आथित्य में महिला एवं बाल विकास द्वारा शासकीय गजराराजा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षा, खेल व संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहीं लगभग दो दर्जन प्रतिभावान बालिकाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका घुरैया भी बतौर अतिथि मंचासीन थीं।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा ऐसी मान्यता है कि ईश्वर ने बालिकाओं का सृजन अतिरिक्त ऊर्जा के साथ किया है। इसलिये बालिकायें अपनी शक्ति पहचानें और पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने इस अवसर पर बालिकाओं को अपनी सुरक्षा रखने के संबंध में भी व्यवहारिक रूप से उपयोगी जानकारी दी।

जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश जाटव ने सम्मानित बालिकाओं सहित कार्यक्रम में मौजूद सभी बालिकाओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही कहा कि सरकार द्वारा बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिये संचालित योजनाओं का लाभ उठाकर अपना भविष्य बेहतर करें।

कार्यक्रम में संयुक्त संचालक महिला बाल विकास श्रीमती सीमा शर्मा ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री धीरेन्द्र सिंह जादौन ने कार्यक्रम की रूपरेखा व उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उप पुलिस अधिक्षक श्रीमती किरण अहिरवार ने सायबर क्राइम व महिला अपराध से संबंधित कानूनों की जानकारी दी। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपाली माथुर ने एनीमिया से बचाव व किशोरी बालिकाओं की समस्याओं का समाधान बताया। नगर निगम की सहायक खेल अधिकारी श्रीमती विजेता चौहान ने भी बालिका सशक्तिकरण से संबंधित उपयोगी जानकारी दी।

म.प्र.जन अभियान परिषद के परामर्शदाताओं की दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

जबलपुर। म.प्र.जन अभियान परिषद की समृद्धि योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत कार्यरत परामर्शदाताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम आज कृषि विश्वविद्यालय में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि जन अभियान परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ.जितेन्द्र जामदार, विशिष्ट अतिथि डॉ. विवेकांनद पटेल वरिष्ठ समाज सेवी एवं शिक्षाविद, श्री रवि प्रसाद बर्मन संभाग समन्वयक जन अभियान परिषद एवं डॉ. तेज़ सिंह केशवाल सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर डॉ. जामदार ने कहा कि जन अभियान परिषद के मेंटर्स अपनी क्षमता का उपयोग समाज की भलाई के लिए करें, इसके लिऐ सामुदायिक नेतृत्व पाठ्यक्रम के छात्रों के साथ मिलकर शासन के विभागों से समन्वय स्थापित कर शासन की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने में मदद करें। तभी जन अभियान परिषद और आपके कार्यों की सार्थकता सिद्ध होगी। जन अभियान परिषद प्रारंभ से स्वैच्छिक आधार पर समाज में अनुकरणीय कार्य करने वालों को प्रोत्साहित कर समग्र विकास के लिए कार्य करता रहा है, इस प्रकार के प्रशिक्षण से कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से करने में सहयोग मिलेगा। विशिष्ट अतिथि डॉ पटेल ने कहा कि जन अभियान परिषद का यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के सुचारू संचालन एवं निष्ठवान दृढ़ संकल्पित कार्यकर्ता निर्माण के लिए सहयोगी सिद्ध होगा और वह कार्यकर्ता राष्ट्र सर्वोपरि के भाव से कार्य करेगा।

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयंती पर हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

जबलपुर। नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 128 वीं जयंती पर रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आज गुरूवार को सेंट्रल एकेडमी स्कूल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। पराक्रम फाउंडेशन के सहयोग से लगाए गए शिविर का शुभारंभ वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पवन स्थापक ने किया। शिविर में नागरिकों के निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ रक्तचाप, शुगर, नेत्र एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी जांचें भी की गई। साथ ही संस्थाओं द्वारा रक्तदाताओं और नागरिकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव आशीष दीक्षित, प्रदेश प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सुनील मिश्रा, कार्यकारिणी सदस्य सुनील गर्ग, जिला चिकित्सालय की ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अमिता जैन एवं मेडिकल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ चनपुरिया तथा पराक्रम फाउंडेशन के सचिव प्रताप आदित्य बोस उपस्थित थे।

बच्चों की पढ़ाई के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी – डॉ.अभिलाष पांडे

जबलपुर। विधायक डॉ. अभिलाष पांडे ने आज जबलपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत एमएलबी स्कूल परिसर स्थित केंद्रीय ग्रंथालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया। लोकार्पण कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन, वंदना दीप प्रज्वलन एवं बैंड दल की मधुर प्रस्तुति के साथ हुआ। केन्द्रीय ग्रंथालय के नवीन भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. पांडे ने कहा कि वे 5-एस पर काम कर रहे हैं, जिसमें शिक्षा बहुत आवश्यक है। विद्यार्थी पुस्तकों को अपना मित्र बनाएं और पढ़े। पुस्तकालय के शांत वातावरण में मन एकाग्रचित होता है और पढ़ाई में मन अच्छे से लगता है। सभी मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने लक्ष्य को निर्धारित करने का प्रयास करें। विकसित भारत के निर्माण में सभी का महत्वपूर्ण योगदान देना है। उन्होंने कहा कि वे शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

केंद्रीय ग्रंथालय के नवनिर्मित भवन में 75 हजार किताबें रखी जा सकती हैं एवं एक साथ 60 बच्चे बैठकर पढ़ाई कर सकते हैं। पुस्तकालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाओं, महापुरुषों के जीवन पर आधारित पुस्तकों के माध्यम से बच्चों के नैतिक चरित्र निर्माण के साथ-साथ ज्ञानवर्धन के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यह ग्रंथालय लगभग एक करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से निर्मित हुआ है।

कलेक्टर आशीष सिंह की पहल पर इंदौर को भिक्षावृत्ति से मुक्त करने के अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई

इंदौर। इंदौर को भिक्षावृत्ति से मुक्त करने के संदर्भ में कलेक्टर श्री आशीष सिंह की पहल पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत भिक्षा लेने और देने वाले दोनों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में भिक्षा लेने और देने के दो अलग-अलग मामलों में एफआईआर दर्ज कराई गई है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष संह द्वारा इंदौर में भिक्षा लेने और देने दोनों को प्रतिबंधित किया गया है। इंदौर भिक्षावृत्ति से पूरी तरह मुक्त होने की ओर तेजी से अग्रसर है।

बताया गया कि आज 23 जनवरी 2025 को फरियादी भिक्षावृत्ति उन्मूलन दल अधिकारी फूल सिंह पिता मांगीलाल ने थाना भंवरकुआँ में उपस्थित होकर लिखित आवेदन पत्र दिया। यह आवेदन पत्र आरोपी मुकेश पिता बालाराम उम्र 48 साल निवासी 146 भावना नगर खड़वा नाका इंदौर के खिलाफ दिया गया। आवेदन के अनुसार बताया गया कि सोनाबाई पति बलराम निवासी 146 भावना नगर पालदा इंदौर द्वारा लगातार भंवरकुआँ चौराहे में भिक्षावृत्ति की जा रही है। इसके पूर्व प्रथम बार उनके पुत्र मुकेश से शपथ पत्र प्रस्तुत करने पर एक वर्ष पूर्व 23 जनवरी 2024 को इनको समझाइश देकर छोड़ा गया था। पुनः 27 अगस्त 2024 को इनके पुत्र मुकेश के शपथ पत्र प्रस्तुत किये जाने पर इनको दूसरी बार चेतावनी देकर छोड़ा गया था। पुनः 14 जनवरी 2025 को भंवरकुआँ चौराहे पर स्थित मंदिर में भिक्षावृत्ति करते हुए रेस्क्यू दल द्वारा इनको पकडा गया। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा भिक्षा लेने और देने दोनों को भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत किये गए प्रतिबंधित आदेश के उल्लंघन पर आज सोनाबाई पति बलराम के लिए शपथ पत्र प्रस्तुत कर जिम्मेदारी लेने वाले भिक्षुक माँ के पुत्र मुकेश पर प्रकरण दर्ज कराया गया। अपराध धारा 223 बी एन एस का पाया जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

इसी तरह एक अन्य मामले में आज फरियादी भिक्षावृत्ति उन्मूलन दल अधिकारी श्री फूल सिंह पिता मांगीलाल ने थाना भंवरकुआँ में उपस्थित होकर एफआईआर दर्ज कराई। इस प्रकरण में बताया गया कि यह प्रकरण अज्ञात आरोपी के खिलाफ दर्ज कराया गया है। प्रकरण के अनुसार 21 जनवरी 2025 को समय 10.15 पर खण्डवा नाका एवं अरिहंत कालेज के बीच में रोड के किनारे बने हनुमान मंदिर में एक अज्ञात युवक जो कि वाहन क्रमांक एमपी09 एसएच4361 में आया था, के द्वारा मंदिर के सामने बैठी भिक्षुक को भिक्षा देकर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा भिक्षावृत्ति के विरूद्ध जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन किया गया है। इस पर अपराध धारा 223 बी एन एस का प्रकरण पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

किसानों को श्रीअन्न की खेती के लिये मिल रही है प्रोत्साहन राशि

इंदौर। किसानों को रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत श्रीअन्न की खेती एवं उत्पादन बढ़ाने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा श्रीअन्न विशेषकर कोदो-कुटकी पर भुगतान किए गए न्यूनतम क्रय मूल्य के अतिरिक्त एक हजार रूपये प्रति क्विंटल की दर से प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। राज्य सरकार ने प्रति हेक्टेयर अधिकतम 3900 रूपये प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का प्रावधान किया है। प्रदेश में श्रीअन्न उत्पादन में लगे कृषकों एवं समूहों को राज्य स्तरीय महासंघ द्वारा संगठित किया गया है। श्रीअन्न प्रोत्साहन कंसोर्टियम ऑफ फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी का गठन किया गया है। नवीन तकनीकी के उपयोग से श्रीअन्न एवं उसके प्रसंस्कृत उत्पादों को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है।

किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ प्रतिवर्ष प्रदान किया जा रहा है। वर्ष 2019-20 से वर्ष 2023-24 तक एक करोड़ 87 लाख किसानों को 18 हजार 587 करोड़ रूपये की दावा राशि का भुगतान किया गया है। कृषि के क्षेत्र में किए गए विशेष प्रयासों से प्रदेश में धान, मक्का, उड़द, सोयाबीन, गेहूँ, चना, मसूर, सरसों आदि का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश मक्का एवं तिल के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है।

शहीदों की स्मृति में 30 जनवरी को मौन धारण

इंदौर। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान देने वाले शहीदों की स्मृति में 30 जनवरी को प्रातः 11 बजे सभी शासकीय कार्यालयों में 2 मिनिट का मौन रखा जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागाध्यक्ष, संभागीय आयुक्त और समस्त कलेक्टरों को इस आशय के निर्देश जारी किए हैं। शहीद दिवस को सम्पूर्ण गरिमा के साथ मनाने की अपेक्षा की गयी है। इस दिन को व्यापक रूप से आम जनता की भागीदारी से मनाए जाने के लिए प्रातः 11 बजे प्रदेश में कार्य और अन्य गतिविधियाँ रोककर दो मिनिट का मौन रखा जाए।

जहां कहीं संभव हो, दो मिनट के मौन की अवधि शुरू होने तथा समाप्त होने की सूचना सायरन बजाकर या आर्मी गन से दी जायेगी। सायरन 10:59 बजे से 11 बजे तक बजाए जाने चाहिए और दो मिनट के बाद 11:02 बजे से 11:03 बजे तक पुनः क्लियर सायरन बजाए जाने चाहिए। जहां सायरन उपलब्ध हो वहां यह कार्यविधि अपनाई जाए। सिग्नल (जहां उपलब्ध हो), के अनुसार सभी व्यक्ति खड़े हो जाएं और मौन धारण करें। सभी शैक्षणिक संस्थाओं और सार्वजनिक उपक्रमों में शहीद दिवस को पूरी गंभीरता के साथ मनाया जाये। स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय एकता के बारे में वार्ताएं और भाषण आयोजित किए जाने के भी निर्देश दिये गये हैं।

मंत्रालय में भी होगा मौन धारण

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में 30 जनवरी को प्रात 11 बजे दो मिनट का मौन धारण किया जाएगा।

इंदौर में मिथिला की संस्कृति और परंपराओं का उत्सव, मनाई जाएगी महाकवि विद्यापति जयंती

इंदौर। गणतंत्र दिवस के मौके पर इंदौर का मैथिली भाषी समुदाय महाकवि विद्यापति की स्मृति में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करेगा। यह आयोजन विद्यापति परिषद् के तत्वावधान में 26 जनवरी को आनंद मंगल गार्डन, एमआर-10, चंद्रगुप्त मौर्य चौराहे के पास, दोपहर 2 बजे से शुरू होगा।

कार्यक्रम के दौरान समाज के उन वरिष्ठ जनों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने समाज हित में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन्हें मिथिला की परंपरागत मिथिला पाग और शॉल देकर सम्मानित किया जाएगा।

मिथिला की कला और संस्कृति का उत्सव- इस आयोजन में मैथिली कला, संगीत, और लोक परंपराओं का संगम देखने को मिलेगा। प्रख्यात मैथिली गायक माधव राय, रचना झा, और श्री राधे भाई अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लेंगे। इनके द्वारा प्रस्तुत लोकगीत मिथिला की सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत बनाए रखने का प्रयास है। विद्यापति परिषद् , इंदौर के हेमचंद्र पोद्दार, लक्ष्मण झा, विजय कुमार झा, सुमन झा, कालिकांत पोद्दार ने बताया कि यह आयोजन न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव है, बल्कि मैथिली समाज को एकजुट करने और युवाओं को मिथिला की संस्कृति, भाषा और परंपराओं से जोड़ने का एक मंच भी है।

उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम का उद्देश्य इंदौर में बसे मैथिली भाषी समुदाय को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखना है। यह आयोजन युवा पीढ़ी को मिथिला की कला, संस्कृति, और खानपान के प्रति जागरूक करेगा और हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने में मदद करेगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदौर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव होंगे, जबकि क्षेत्र क्रमांक तीन के विधायक गोलू शुक्ला और योगेश मेहता विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

समारोह के दौरान मैथिली समाज के मेधावी छात्रों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए भी सम्मानित किया जाएगा। यह पहल समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता और प्रोत्साहन बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है। विद्यापति परिषद् के कार्यकारिणी सदस्य दिलीप झा ने कहा, यह आयोजन कला, संस्कृति और साहित्य को सहेजने और इसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का एक प्रयास है। इसके माध्यम से हम समाज को अपनी जड़ों और परंपराओं से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

नेताजी के पराक्रम से स्वाधीनता संग्राम को नई दिशा मिली- सत्यनारायण पटेल

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 128 वी जयंती पराक्रम दिवस के रूप में मनी

इंदौर । भारत के इतिहास में नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नाम अमर है। अपनी मातृभूमि के लिए, स्वाधीनता संग्राम के लिए आपने अपना घर और आराम को छोड़ा और आजाद हिंद फौज का गठन किया। नेताजी ने एक बड़े भारतीय समुदाय को स्वाधीनता संग्राम के लिए तैयार किया। आपके पराक्रम से स्वाधीनता आंदोलन को नई दिशा मिली। देश के युवाओं को नेताजी के जज्बे से सीख लेनी चाहिए और देश के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। आपने भारत सरकार के इस निर्णय की सराहना की कि हर साल ये दिवस पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाएगा। ये उद्बोधन अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल के हैं, जो उन्होंने नेताजी सुभाष मंच एवं गीता रामेश्वरम् ट्रस्ट द्वारा आयोजित, 23 जनवरी को इंडियन कॉफी हाउस, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, रीगल तिराहा में स्वाधीनता संग्राम के अमर योद्धा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 128 वी जयंती पराक्रम दिवस के अवसर पर व्यक्त किए। इस अवसर पर नेताजी सुभाष अलंकरण से 6 विभूतियों को अलंकृत किया गया।

आयोजन की जानकारी देते हुए मंच के अध्यक्ष मदन परमालिया, ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल ने बताया कि अध्यक्षता अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल, विशेष अतिथि वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोहर धवन, शहीद वंशज अजीत कुमार जैन थे।

श्री धवन ने अपने उद्बोधन में कहा कि अपनी मातृभूमि के लिए सर्वस्व न्योछावर कर देने वाले ऐसे महापुरुष सदियों में जन्म लेते हैं। हमें अपनी वर्तमान पीढ़ी को देशभक्तों के योगदान से अवगत कराने की जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अभी भी एक जीवंत प्रेरणा के रूप में भारतीयों के दिल में जीवंत राष्ट्रवाद के प्रतीक के रूप में जीवित हैं और सदा अमर रहेंगे।

इस दौरान अतिथियों ने 6 विभूतियों को नेताजी सुभाष अलंकरण से विभूषित किया जिनमें अंगदान में अपना योगदान देने वाले जीतू बगानी, मानव अधिकार परिषद के सलीम शेख, दिव्यांग गोल्ड मेडलगर्ल सपना शर्मा, उत्तराधिकारी सतीश अग्रवाल महू, लाफ्टर किंग रमेश मौर्य एवं मार्शल आर्ट मास्टर सईद आलम को विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के लिए शाल, श्रीफल, अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अलंकृत विभूतियों को मालवीय पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय देशभक्ति गीत गायक कविता यादव द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई।

श्री परमालिया ने आगे बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत के पूर्व नेताजी सुभाष की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। अतिथियों का स्वागत चेतन चौधरी, गणेश वर्मा, संजय जयंत, नरेन्द्र सूर्यवंशी, जगदीश सतैया, देवीलाल गुर्जर, ओ.पी. वर्मा, उमाशंकर रायकवार, सुधीर सेठिया आदि ने किया। संचालन मंच अध्यक्ष मदन परमालिया ने किया। आभार जगमोहन सोन ने माना।

अमानक स्तर के खाद्य सामग्री निर्माण करने पर एक संस्थान का लायसेंस निलंबित

इंदौर। इंदौर जिले में अपमिश्रित और अमानक स्तर के खाद्य पदार्थों के विक्रय और निर्माण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही हैं। इसी सिलसिले में बुधवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुए प्रतिष्ठान तिरूपति बेकर्स एवं कन्फेक्शनर्स का लायसेंस निलंबित कर निर्माण कार्य बंद करवाया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री मनीष स्वामी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा बुधवार 22 जनवरी 2024 को प्रतिष्ठान तिरूपति बेकर्स एवं कन्फेक्शनर्स, ग्राम बड़ियाकिमा नेमावर रोड का निरीक्षण किया गया। उक्त संस्थान द्वारा रॉ मटेरियल एवं विनिर्मित खाद्य पदार्थ का उचित भंडारण नहीं किया जा रहा था। लायसेंस को भी परिसर में प्रदर्शित नहीं पाया गया। तकनीकी व्यक्ति भी मौके पर उपस्थित नहीं था।

यातायात सुधार की मुहिम लगातार जारी

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह एवं नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर सघन रूप से इंदौर शहर में यातायात को सुगम बनाने के लिये मुहिम चलाकर कार्रवाई की गई।

यह कार्रवाई जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा पुलिस, नगर निगम, यातायात पुलिस आदि के सहयोग से की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में यातायात में बाधक दुकानों के शेड, अतिक्रमण, ओटले और अन्य बाधाएं हटाई गई। फुटपाथ पर रखे सामान भी बड़ी मात्रा में जप्त किए गए।

इंदौर में यातायात सुधार के लिये चलाई जा रही मुहिम के तहत संयुक्त कार्रवाई की गई। जिला प्रशासन, नगर निगम एवं पुलिस बल एवं निगम की रिमूवल टीम द्वारा यातायात को सुगम बनाने हेतु संयुक्त कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई झोन क्रमांक 15 के अंतर्गत फूटी कोठी से रंजीत हनुमान मंदिर मेन रोड तक की गई। जिसमें 2 ट्रक सामान जप्त किया। साथ ही 15 से अधिक टीन शेड एवं अवैध गुमटी हटाई गई।

कुल 5 टू व्हीलर एवं एक कार जप्त की गई। कार्रवाई के दौरान एसडीएम श्रीमती सीमा मौर्य एवं जोनल अधिकारी श्री सुनील जादौन एवं रिमूवल की टीम द्वारा होमगार्ड के बल के द्वारा यातायात को सुचारू रूप से व्यवस्थित किया गया एवं 8 हजार 500 रुपये की चलानी कार्यवाही की गई।

जय श्री महाकाल ...

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

मंछामन मल्टी में आवासीय भवनों एवं व्यवसायिक दुकानों का निर्माण कार्य हुआ आरंभ

महापौर मुकेश टटवाल ने किया योगेश्वर टेकरी के पास स्थित बूस्टर पंप का निरीक्षण

उज्जैन। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मंछामन मल्टी में आवंटित आवासीय भवनों एवं व्यवसायिक दुकानों का निर्माण कार्य आरंभ कर दिया गया है उक्त कार्य का महापौर मुकेश टटवाल द्वारा अवलोकन कर संबंधित फर्म से कार्य की गुणवत्ता के साथ ही तय समय सीमा में ब्लॉक एबीसी के आवंटित 288 आवासीय भवनों एवं 15 दुकानों का निर्माण कार्य करने के निर्देश निगम अधिकारियों को प्रदान किए महापौर मुकेश टटवाल ने बताया कि महापौर चौपाल के माध्यम से मंछामन मल्टी में हितग्राहीयों द्वारा शिकायत प्राप्त हुई जिसके क्रम मल्टी का निर्माण कार्य अवरुद्ध था निर्माण कार्य एजेंसी एलएनए इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट कंपनी ने आवासीय भवनों एवं दुकानों के निर्माण कार्य आरंभ कर दिया गया है तय समय सीमा एक वर्ष मे कार्य को पूर्ण कर आवंटित भवनों के हितग्राहियों को अपना स्वामित्व प्रदान किया जाएगा ।

इस अवसर पर एमआईसी सदस्य श्री सत्यनारायण चौहान, श्री शिवेंद्र तिवारी, श्री प्रकाश शर्मा, निगम अधिकारी पीसी यादव शिवम गुप्ता आदि मौजूद रहे।

नया बूस्टर पंप लगाने के दिए निर्देश

वार्ड क्रमांक 24 अंतर्गत योगेश्वर टेकरी के रहवासियों को पेयजल आपूर्ति हेतु योगेश्वर टेकरी के नीचे जलकार्य विभाग द्वारा बूस्टर पंप लगाया गया है जिसके माध्यम से टेकरी के ऊपर तक निवासरत परिवारजनों को पानी की उपलब्धता होती है जो कि विगत चार से पांच दिन से खराब अवस्था में है क्षेत्रीय पार्षद एवं जोन अध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास द्वारा रहवासियों द्वारा प्राप्त सूचना के निर्देश के क्रम में महापौर श्री मुकेश टटवाल को अवगत करवाया गया जिसके निरीक्षण हेतु शुक्रवार को महापौर स्थल पर पहुंचे जहां विभाग के उपायुक्त श्री मनोज मौर्य को निर्देशित किया कि समस्या के निदान हेतु नवीन बूस्टर पंप लगाया जाए ताकि पेयजल सप्लाई में किसी प्रकार की समस्या क्षेत्र के रहवासियों को ना हो। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य श्री शिवेंद्र तिवारी, श्री प्रकाश शर्मा, श्री सत्यनारायण चौहान उपस्थित रहे।

चेहरे-जबड़े एवं मुंह की जन्मजात विकृतियों की जांच एवं नि :शुल्क उपचार हेतु लगा शिविर

भारतीय जैन संगठना द्वारा आयोजित शिविर में जरूरतमंदों को दिया नि:शुल्क परामर्श एवं उपचार व्यवस्था

उज्जैन। भारतीय जैन संगठना एवं आईएनजीए हेल्थ फाउंडेशन द्वारा चेहरे-जबड़े एवं मुंह की जन्मजात विकृतियों की जांच एवं निःशुल्क उपचार शिविर 24 जनवरी शुक्रवार को सुबह 10 से दोप 2 बजे तक जिला चिकित्सालय चरक भवन परिसर में आयोजित किया गया।

भारतीय जैन संगठना की शहर अध्यक्ष मनीषा ओरा ने बताया कि उद्घाटन सत्र में डॉ सुष्मिता व्यास, डॉ तान्या जैन, डॉ चिन्मय चिंचोलीकर, डॉ पंकज टांक, जैन संगठना राज्य अध्यक्ष साशा जैन, जिला अध्यक्ष कल्पना सुराणा, राज्य उपाध्यक्ष ओम जैन, प्रफुल गादिया, मनीषा सुराणा, मंजुला बाठिया ,अंजू सुराना परिधि जैन, अंशु बाफना कनुप्रिया जैन उपस्थित थे। उज्जैन जिला चिकित्सालय में आयोजित इस शिविर में क्रेनियोफेशियल सर्जन डॉ. सुष्मिता आर व्यास एवं निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. तान्या जैन की टीम द्वारा जरूरतमंद बच्चों को चिन्हित करके इंदौर स्थित सेंटर पर उन्हें चेहरे, जबड़े एवं मुंह की विकृतियों की निःशुल्क उपचार की सुविधा प्रदान की जाएगी। मध्यप्रदेश में इस आई.एच.एफ. चैरिटी प्रोजेक्ट सेंटर की चीफ सर्जन डॉ. सुष्मिता आर व्यास और एडमिन डायरेक्टर डॉ. अनुज व्यास है। दोनों ही चेहरे जबड़े एवं मुंह की सर्जरी के विशेषज्ञ मैक्सिलो - फेशियल सर्जन है।

मनीषा ओरा के अनुसार शिविर के माध्यम से जन्मजात कटे-फटे होंठ एवं तालु का निःशुल्क ऑपरेशन एवं ऑपरेशन के बाद तालु में बनी हुई गैप (विकृति) का निःशुल्क ऑपरेशन, चिपकी जुबान, तालु (फैनुलम) का निःशुल्क ऑपरेशन, क्लेफ्ट राईनोप्लास्टी (जन्मजात नाक की विकृति) का निःशुल्क ऑपरेशन, चेहरे, जबड़े, सिर की जन्मजात विकृति का निःशुल्क ऑपरेशन एवं संपूर्ण उपचार की व्यवस्था की गई। शिविर में उज्जैन के जरूरतमंद मरीजों का निःशुल्क उपचार परामर्श किया गया।

मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई उज्जैन का गठन

उज्जैन। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेशाध्यक्ष शलभ भदौरिया के निर्देश एवं राजेंद्र पुरोहित, राजेंद्र राठौर, राजेंद्र अग्रवाल की अनुशंसा पर मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ उज्जैन जिला इकाई का गठन किया गया। जिसमें जिलाध्यक्ष राजेश जोशी, जिला महासचिव अश्विन चोपड़ा, उपाध्यक्ष योगेश शर्मा, अरुण बुरड़, किशन जोशी, अरविंद व्यास, विनोद कारपेंटर, कोषाध्यक्ष मनोज राठौर, सचिव मनीष पांडे, सौरभ अग्रवाल, मनीष झाला, प्रशालसिह पांड्या, राजेश रावत, हीना तिवारी, राघवेंद्र सिंह भदौरिया, नरेश शर्मा, संयुक्त सचिव सूरज चौहान, वीरेंद्र सिंह ठाकुर, पवन गरवाल, संजय राय, नानावटी प्रजापति, राजकुमार काबरा बनाए गए। कार्यकारणी सदस्य के रूप में आनंद परमार, कमल बोहरा, संदीप वर्मा, नूतन गिरी, शैलेष जैन, राजेंद्र सिंह रघुवंशी, धर्मेंद्र पांचाल, सुधीर पारिक, मुर्तुजा अली, मोहिल मेहता, दारा खान मनोनीत किए गए।

पीएफ कमिश्नर ने पेंशनर्स के हायर पेंशन के नए 19 पीपीओ 139 डिमांड नोट जारी किए

उज्जैन। पूर्व कैबिनेट मंत्री सुल्तान सिंह शेखावत के नेतृत्व में पेंशनर्स एसोसिएशन का 11 सदस्यीय पेंशनर्स संघ प्रतिनिधि मंडल पीएफ कमिश्नर से उज्जैन में मिला। इस कड़ी में उज्जैन जिले के पेंशनर्स के 19 पीपीओ जारी किए गए एवं 139 डिमांड नोट नागदा के पेंशनर्स के जारी किए गए। जो पेंशनर्स अंतर राशि का डीडी जितनी जल्द जमा करा देंगे उन्हें बड़ी हुई पेंशन का पीपीओ एवं ब्याज सहित उनकी राशि वापस मिल जाएगी।

उल्लेखनीय है कि हायर पेंशन में 3 से 5 गुना तक वृद्धि हो गई है जिससे पेंशनर्स एक सीमा तक आत्म निर्भर होंगे। बीएमएस के जिला मीडिया प्रभारी गुलशन मंसूरी ने बताया कि पेंशनर्स संघ के द्वारा खुशी जाहिर करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री सुल्तान सिंह शेखावत का सम्मान किया गया साथ ही पीएफ कमिश्नर का भी सम्मान संगठन के द्वारा किया गया एवं मिठाई खिलाई गई। स्वागत कर्ताओं में प्रमुख रूप से भारतीय मजदूर संघ विभाग प्रमुख सतीश शर्मा, पेंशनर्स संघ अध्यक्ष सीताराम परमार, अनिल मंडलोई, राधाकांत झा, गिरधारी लाल, अब्दुल हफीज़ एवं सभी पीपीओ प्राप्तकर्ता पेंशनर्स उपस्थित रहे।

संत रविदास जयंती पर रविदास घाट पर मनेगा दीपोत्सव

2121 दीपों से होगी सतगुरु की समरसता महाआरती

उज्जैन। संत रविदास जयंती पर प्रातः 6 बजे पंचमपुरा स्थित संत रविदास मंदिर से प्रभात फेरी प्रारंभ होगी जो पंचमपुरा, ऋषिनगर होते हुए फ्रीगंज स्थित गुरद्वारा पहुंचेगी। मुख्य आयोजन रामघाट पर होगा। यहां माँ क्षिप्रा तट स्थित संत रविदास घाट पर शाम 4 बजे से भजन संध्या प्रारंभ होगी। 7 बजे दीपोत्सव मनाया जाएगा जिसमें 2121 दीपों से समरसता महाआरती एवं महा प्रसादी का भव्य आयोजन होगा।

उक्त निर्णय 12 फरवरी 2025 को संत शिरोमणी गुरु रविदास जयंती को भव्य रूप से मनाए जाने को लेकर सर्व रविदास समाज परिषद मध्य प्रदेश की बैठक में लिया गया। सर्व रविदास अनुयाई समाज परिषद के प्रदेश महासचिव रमेशचंद्र सुर्यवंशी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश मोहने की उपस्थिती में परिषद के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक संपन्न हुई। जिसमें सर्व सम्मति से 648वीं संत शिरोमणी गुरु रविदास जयंती भव्य रुप से मनाने का निर्णय लिया गया। अवंतिका औद्योगिक क्षेत्र देवास रोड उज्जैन में मेसर्स मोहने इन्टरप्राईजेश पर आयोजित बैठक में जयंती के पूर्व विभिन्न माध्यमों से प्रचार प्रसार एवं आयोजन को भव्यता प्रदान कर सफल बनाने की योजना बनाई गई। इस अवसर पर परिषद के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश मोहने, प्रदेश महासचिव रमेश चंद्र सुर्यवंशी, उपाध्यक्ष कैलाशचंद्र सुर्यवंशी, आत्माराम पंचोली, बाबूलाल सुर्यवंशी, आत्माराम मेगवंशी, जिलाध्यक्ष राम चोहान, जिला महासचिव जगदीश गुजराती, मुकेश परमार आदि पदाधिकारीगण उपस्थित हुए।

शासकीय संस्कृत महाविद्यालय में लगा पुस्तक मेला

उज्जैन। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय में विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा पुस्तक मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

जिसका उद्घाटन श्री महाकालेश्वर वैदिक प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान के निदेशक डॉ. पीयूष त्रिपाठी ने किया। साथ ही उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्राचीन दुर्लभ वैदिक और शास्त्रीय ग्रंथों का अवलोकन किया और उनके बारे में जानकारी भी प्राप्त की। कार्यक्रम समन्वयकद्वय डॉ. यश शर्मा और डॉ. मनीष पंवार ने बताया कि इस कार्यक्रम में नगर के प्रतिष्ठित पुस्तक विक्रेताओं ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सीमा शर्मा ने की। संचालन डॉ. गणेश प्रसाद द्विवेदी ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. श्रेयस कोरान्ने ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र -छात्राओं और रासेयो के स्वयंसेवक ने सहभागिता की।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com